2010-2011

Synergy Sansthan

b-6, Pandit Deendayal Parisar, Near Sent marry school,Harda (M.P.)
Ph:07577222089

Annual Report

सिनर्जी संस्थान

बी–6,दीनदयाल परिसर, रेल्वे स्टेशन, हरदा म.प्र

Email: synergysanstha@gmail.com

कहाँ क्या है ?

क्रमांक	विवरण	पेज नम्बर
	सहायता प्राप्त परियोजनाएँ	
1	समुदाय अधारित आपदा जोखिम परियोजना	3
2	सुरक्षित पेयजल हेतु सामुदायिक जाकरुकता कार्यक्रम	4
3	स्व सहायता समूहो का निर्माण	5
प्रशिक्षण कार्यक्रम		
4	आषा प्रषिक्षण कार्यक्रम मॉड्यूल 5	5
5	सामुदाय आधारीत विकेन्द्रिकरण योजना निर्माण	6
6	आपदा प्रबंधन प्रषिक्षण	6
	संस्थागत पहल	
बाल अधिकार,विकास एवं कल्याण के क्षैत्र मे		
	युवा सक्रियता एवं विकास	
1.	अनौपचारिक षिक्षा केन्द्र का संचालन	7
2	कुपोषण केन्द्रित समग्र विकास कार्यक्रम	8
3	जिला बाल अधिकार मंच का समन्वय	9
4	महिला पंच सरपंचो का नेतृत्व विकास	10
5	मिडिया के साथ	10
पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन		
1	**विष्व प्रकृति दिवस का आयोजन**	10
2	विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन	11
स्वास्थय कार्यक्रम		
1	एचआईव्ही पोजेटिव व्यक्तियों के साथ बैठक	11
2	रेड रिबन एक्प्रेस के साथ	11
प्रशिक्षणों मे सहभागिता		
1	**आशा माड्यूल 5 मास्टर ट्रेनर प्रषिक्षण, भोपाल !**	11
2	**आषा माड्यूल 6 एवं 7 के मास्टर ट्रेनर प्रषिक्षण, भोपाल!**	11
3	**स्वास्थ्य अधिकार पर मित्र प्रषिक्षण, पुणे।**	11
4	**आपदा प्रबंधन प्रषिक्षण, भोपाल आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल के द्वारा!**	11
5	**आजिविका प्रषिक्षण, बर्ड, लखनऊ**	11
वित्तीय स्थिति		
1	**बेलेंस शीट**	12
2	**आय व्यय खाता**	13

1. सिनर्जी के बारे में.....

सिनर्जी संस्थान युवाओं का समूह है जो अपनी उर्जा को सामाजिक विकास के क्षैत्र मे लगा रहा है। संस्थान का गठन सामाज कार्य मे स्ताकउत्तरो उपाधी प्राप्त 8 युवाओं ने किया है । संस्थान का पंजीयन सोसाईटी रजिस्टीकरण अधिनियम, 1973 मे दिनांक 15 मई 2006 को किया गया है संस्थान का पंजीयन कमांक 09249 है। संस्थान, विगत 5 वर्षो से मध्यप्रदेष के हरदा जिले के झुग्गी झोपड़ी के बच्चों, वनवासी व दुर्गम क्षैत्रो में सामाजिक विकास के क्षैत्र में प्रयासरत है। युवाओं को परिवर्तन का आधार मानते हुए संस्थान बच्चों, महिलाओ, दलित एवं वंचित वर्ग के सर्वागीण विकास के प्रति प्रतिबद्व है। समेकित पद्धति से बच्चों के सर्वागीण विकास के क्षैत्र में कार्य करती है। सिनर्जी संस्थान समाज में बच्चों को उनके सर्वागींण विकास के लिए समुचित अवसर मिले, उनके साथ किसी प्रकार का भेदभाव ना हो, के लिए जमीनी स्तर पर कार्यरत है।

बच्चों के सर्वागीण विकास को ध्यान में रखते हुए संस्थान युवा सकियता, बाल श्रम उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्राकृतिक संसाधनो के प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और आजीविका के मुद्दों पर कार्य कर रही है। इन सब मुद्दो में अनुसुचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वंचित वर्ग एवं पहुॅच से दूर ग्रामो को प्रमुख रूप से शामिल कर कार्य करना अपनी रणनीति में प्रमुख रूप से शामिल किया है।

Managing Body Introduction

27 year old young energetic social activist Mr.Vimal Jat is the president of synergy Sansthan. He has done Master degree in social work from D.A.V.V. Indore in 2006., having 6 years of experience in development sector. He is member of Rogi Kalyan Samiti, District Hospital, Harda and member of District AIDS Prevention & control unite Harda.(MP)

Social activist Mr. Ajay Pandit is the secaretary of the Synergy Sansthan. He is 28 year old. He is also qualified in master of social work from DAVV, Indore in 2006. He is expert on child right and agriculture. Also fellow of CRY- Natinaol Research Fellow 2009 and Change loomer of PRAVHA Dehli under Changelooms program batch 2009.

Mr. Vishnu Jaiswal, Vice President of Synergy Sansthan, He is 29 year old having 6 years of expreince in development sector. He is also qualified in Master degree in Social Work from D.A.V.V. Indore in 2006. Also expert on Panchyat Raj, Women related issues, Self Help group, willd life and training.

सहायता प्राप्त परियोजनाएँ........

आपदा प्रबंधन के क्षैत्र में

समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम

हरदा जिला प्रदेष का सबसे छोटा जिला है यहॉ केवल तीन विकासखण्ड है इस छोटे जिले से नर्मदा सहित 9 प्रमुख नदियॉ यहॉ से होकर गुजरती है जिसके कारण प्रतिवर्ष बारिष के मौसम में

यहॉ बाढ आती रहती है। हरदा शहर अजनाल नदी के कारण प्रति वर्ष बाढ से प्रभावित होता है, ग्रामिण क्षेत्रो में इससे जन धन की हानि होती रहती है। साथ ही साथ जिला भुकंप के सिसमिक जोन 3 में आता है। संस्था मध्य प्रदेष शासन का आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल तथा युनिसेफ भोपाल के सहयोग से जिले के 25 गॉवो में समुदाय आधारित आपदा जोखिम प्रबंधन कार्यक्रम का संचालन कर रहा है जिसमें आपदा से निपटने के लिए ग्रमिणो को तैयार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक गॉव की ग्राम स्तर पर आपदा प्रबंध कार्ययोजना तैयार की गयी है। इसकी प्रमुख गतिविधि निम्नलिखित है।

पी. आर ए. गतिविधि द्वारा जानकारी एकत्रित करना, आपदा प्रबंधन हेतु सामाजिक , संसाधन, जोखिम एवं सुरक्षित निकासी मार्ग आदि की मेपिग करना आदि शामिल है। गृह भेंट, सामुदायिक बैठके, विषय आधारित समुह चर्चा, समूह चर्चा, नुक्कड नाटक, साइनेज, दिवार लेखन, बच्चो के साथ खेल आधारित गतिविधि ।

इस कार्यक्रम अंतर्गत प्रत्येक ग्राम स्तर पर 6 टास्क फोर्सेसे का निर्माण हुआ है जिसमें संबधित ग्रम के जिम्मेंदार व्यक्तियो शामिल है। प्रत्येक दल में 5–10 व्यक्तियो को शामिल है। जिसमें महिलाएँ भी पुरुषों के समान शामिल है। उनके नाम के अनुसार ही इन दलो के कार्य है। ये दल निम्नलिखित है:

- ग्राम आपदा प्रबंधन समिति
- पूर्व सुचना दल
- खोज एवं बचाव दल
- भोजन एवं स्वच्छ जल प्रदाय दल
- समन्वय दल एवं
- नुकसान ऑकलन दल

उपरोक्त सभी दलो में गॉव के स्वैच्छिक कार्यकर्ता षामिल है जिसमें सदस्यो का चयन, उन्मुखीकरण, प्रषिक्षण किया गया है। इस संपूर्ण कार्यक्रम में बच्चो एवं महिलाओ की षत प्रतिषत भागीदारी पर जोर दिया गया है। आगामी वर्ष में इन दलो का संबंधित दल के अनुसार सघन प्रषिक्षण किया जायेगा।

अभी तक परियोजना क्षेत्र के 25 गॉवो में कुल 150 समितियो का निर्माण किया गया है जिसमें 867 स्वैच्छिक कार्यकर्ता षामिल है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले लगभग 27000 लोगो तक पहॅुच हुई है।

जल एवं स्वच्छता के मुद्दे पर

"सुरक्षित पेयजल हेतु सामुदायिक जाकरुकता कार्यक्रम"

राष्ट्रीय पेयजल गुणवत्ता अनुश्रवण एवं निगरानी कार्यक्रम अंतर्गत समुदाय को सुरक्षित पेयजल एवं स्वास्थ्य के मुद्दे पर जागरुक करने के उद्देष्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, हरदा के सहयोग से संस्था हरदा जिल के विकासखण्ड टिमरनी एवं खिरकिया के 26 ग्रमो में सुरक्षित पेयजल हेतु सामुदायिक जाकरुकता कार्यक्रम का संचालन कर रही गयी इस कार्यक्रम के अंतर्गत अभी तक षुद्वपेयजल एवं स्वास्थ्य के मुद्दे पर टिमरनी विकासखण्ड के 16 गॉवो में निम्नलिखित गतिविधि की गयी उनके नाम एवं संख्या इस प्रकार है–

कमांक	गतिविधि	गतिविधियो की संख्या
1	पम्पलेट वितरण	1500
2	दीवार लेखन	40
3	प्रदर्शनी	09
4	बच्चों के मध्य प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता	10

5	सामुदायिक बैठक	26
6	प्रषिक्षण	05
7	नुक्कड़ नाटक	10
8	विभिन्न दिवसों का आयोजन	00

लगभग 8000 लोग इस कार्यक्रम से लाभनवित हुए है।

स्व सहायता समूह निर्माण

स्वर्ण जयंती स्वरोजगार योजना अंतर्गत स्वसहायता समुह का गठन एवं विकास

जिला पंचायत हरदा के सहयोग हरदा जिले के टिमरनी विकासखण्ड के 10 आदिवासी बाहुल्य ग्रमो में स्वसहायता समूह के गठन एवं विकास का कार्य किया जा रहा है जो अभी अपने शुरुआती दौर में है इस हेतु वर्तमान में कार्यकर्ता की क्षमता वर्धन गतिविधियॉ की जा रही है।

प्रषिक्षण संचालन

आषा प्रषिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिषन अंर्तगत ग्राम स्तर पर चयनित आषा कार्यकर्ता के ज्ञान, व्यवहार एवं कौषल में वृद्वी करने के उद्देष्य से संस्था जिला स्वास्थ्य समिति, हरदा के सहयोग हरदा जिले के दो विकासखण्ड टिमरनी एवं खिरकिया के समस्त ग्रमो की क्रमषः 143 एवं 110 आषाओ का प्रषिक्षण कार्यक्रम किया गया। इसके अंतर्गत आषा प्रषिक्षण के मॉड्युल 1से 4 प्रषिक्षण प्राप्त समस्त आषाओ हेतु कुल 9 दिवसीय आवासीय रिफेषर एवं पॉचवा मॉड्युल का प्रषिक्षण तथा समस्त नवीन चयनीत आषाओ हेतु

मॉड्युल 1,2,3,4 एवं मॉड्युल पॉच की कुल 24 दिवसीय आवासीय प्रषिक्षण किया है।
अभी तक टिमरनी विकासखण्ड की 30 नवीन चयनीत आषाओ हेतु मॉड्युल 1,2,3 एवं 4 की कुल 19 दिवसीय आवासीय प्रषिक्षण तथा मॉड्युल 1 से 4 प्रषिक्षण प्राप्त 123 आषाओ हेतु कुल 9 दिवसीय आवासीय रिफेषर एवं पॉचवा मॉड्युल का प्रषिक्षण किया
जा चुका है।

- ## सामुदाय आधारीत विकेन्द्रिकरण योजना निर्माण

समुदाय आधारित विकेन्द्रीकृत जिला कार्ययोजना निर्माण हेतु प्रषिक्षणः योजना आयोग म.प्र. द्वार इस वर्ष समुदाय आधारित विकेन्द्रीकृत जिला कार्ययोजना निर्माण किया जाना था इस हेतु जिले के समस्त तकनीकि सहायता दलो के प्रषिक्षण की जवाबदारी जिला योजना शाखा हरदा ने सिनर्जी संस्थान को सौंपी जिसके अंतर्गत संस्था द्वारा जिले के तीनों विकासखण्ड के समस्त तकनीकि सहायता दलों के **750** शासकीय अधिकारी –कर्मचारी, **30** जनप्रतिनिधिगण, **20** एन जी ओ के सदस्यों का का प्रषिक्षण किया गया।

- ## आपदा प्रबंधन

आपदा प्रबंधन पर महाविद्यालयों में प्रषिक्षणः हरदा जिला आग, बाढ़ एवं भूकंप जैसी बड़ी आपदाओं से ग्रस्त जिला है। संस्थान के द्वारा जिले में आपदाओ से निपटने की तैयारी हेतु जन समुदाय को तैयार करने का कार्य किया जा रहा हैं। इसी तारतम्य में संस्था के द्वारा इस वर्ष जिले के पॉच महाविद्यालय के 220 युवाओं को आपदा प्रबंधन के विषय पर एक दिवसीय प्रषिक्षण प्रदान किया गया। प्रषिक्षण में छात्रो को मॉक डिल, एवं विषय पर जानकारी उपलब्ध कराई गई।
श्श

प्रतिभागीयो से चर्चा करते हुए जिला कलेक्टर श्री जॉन किंग्सली

संस्था की पहल...

बाल विकास के क्षेत्र में

- **निराली पहल केन्द्र का संचालन**

हरदा शहर में ऐसे सैकेडो बच्चे है जो 14 वर्ष से कम उम्र होने के बावजूद भी षिक्षा की मुख्य धारा से दूर है या बच्चो ने बीच में ही अपनी पढाई रोक दी है। वे होटलो, ढाबों, दुसरो के घरो में बर्तन–खाना का काम करते है। संस्था ऐसे बच्चो को षिक्षा की मुख्य धारा से जोडने हेतु हरदा शहर के मध्य दुधडेरी बस्ती में एक निराली पहल केन्द्र का संचालन नगर पालिका हरदा एवं शहर के युवाओं तथा अन्य सक्रिय व्यक्तियों के सहयोग से कर रही है। जिसमें प्रतिदिन शाम को दो घंटे बच्चो को खेल खेल में षिक्षा दी जाती है। बच्चो में षिक्षा के प्रति रुचि जगाना तथा औपचारिक नियमित कक्षाओ से पुनः जोडना इस केन्द्र का उद्देष्य है। वर्तमान में 33 बच्चे इस केन्द्र का लाभ ले रहे है, यहॅा नियमित रुप से 2 षिक्षिकाएॅ पदस्थ है। शहर के सक्रिय युवा समय–समय पर इस केन्द्र में अपना योगदान एवं भागीदारी निभाते है।

- ## कुपोषण मुक्त ग्राम कार्यक्रम तथा समग्र विकास कार्यक्रम

संस्था द्वारा जिला प्रषासन हरदा के सहयोग हरदा जिले के टिमरनी विकासखण्ड के 10 आदिवासी बाहुल्य गॉव उमरधा, झाडबीडा, कपासी, जिनवानी पांढरमाटी, पांढरमाटी ढाना, खात्माखेडा,डोंग, निम्यागॉव एवं काल्पी में "कुपोषण आधारित समग्र ग्राम विकास कार्यक्रम" चलाया जा रहा है जिसमें कुपोषण को गॉव से समाप्त करने एवं गग्रम के समस्त विकास के उद्देष्य कार्यक्रम चलाया जा रहा है। बच्चो में कुपोषण समाप्त करने हेतु जागररुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इस ंपूर्ण कार्यक्रम में स्थानीय स्तर पर गठित ग्राम पंचायत, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, ग्राम स्वाथ्य एवं स्वच्छता समिति,स्व सहायता समुह, पीटीए, जाइन्ट फोरेस्ट ग्रुप आदि के सदस्यो का चिन्हाकन, समन्वय, संगठन, एवं क्षमतावर्धन करना प्रमुख रुप से षामिल है।

कुपोषण दूर करने हेतु की जा रही गतितिविधियॉः

कुपोषित बच्चो के पालको के साथ बैठके, सामुदायिक बैठके, ग्राम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति के साथ कुपोषण पर चर्चा, कुपोषित बच्चो के यहॉ गृह भेंट, दिवार लेखन, नुक्कड नाटक, प्रदर्षनी, अतिकुपोषित बच्चो को पोषण एवं पुर्नवास केन्द्र भिजवाना, कुपोषण के विरुद्व अच्छा कार्यकरने वाली ऑगनबाडी कार्यकर्ता/ अन्य सामाजिक कार्यकर्ता को सम्मानित करना, षासकीय अधिकारीयो एवं जनप्रतिनिधियो का परियोजना क्षेत्र में भ्रमण करवाना आदि गतिविधियॉ षामिल है।

समग्र विकास अंतर्गतः

संस्था ने जिला प्रषासन हरदा के साथ समन्वय कर 10 ग्रामो के सुंपर्ण विकास हेतु कार्यक्रम चला रही जिसमें जिला प्रषासन के समस्त विभाग जो इन गॉवो में कार्य कर रही अपनी योजनाओ को इन गॉवो में प्राथमिकता के आधार पर लागू करें इस लक्ष्य के साथ कार्य किया जा रहा है जिसके मुख्य घटक निम्नलिखित हैः

- समस्त बीपीएल महिलाओ को एस. जी.एस.वाय. योजना से जोडना।
- गॉव को कुपोषण मुक्त बनाना।
- किसानो की 100 प्रतिषत मिट्टी की जॉच।
- स्थानीय स्तर पर गठित समितियो का सषक्तिकरण।
- कृषक क्लबो का गठन।
- मदर्स क्लबो का गठन आदि।

कुपोषण आधारित समग्र ग्राम विकास कार्यक्रम अंर्तगत नौ दिवसीय अभियानः

परियोजना क्षेत्र के समस्त गॉवो में गॉव के समग्र विकास कार्यक्रम सभी ग्रमीणजन, ग्राम पंचायत, ग्रामीण स्तर पर पदस्थ समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी, समस्त विभागीय अधिकारी, समस्त षासकीय विभागो के प्रभारीगण, जन प्रतिनिधिगण आदि के मध्य समग्र विकास की धारणा को समझाना एवं समग्र विकास का माहौल तैयार करने के उद्देष्य से दिनांक 22 नवम्बर से 30 नवम्बर 2010 तक समस्त चयनित 10 ग्रामो में 9 दिवसीय कुपोषण आधारित समग्र ग्राम विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रतिदिन अलग अलग गॉवो में निरतंर ये कार्यक्रम किये गये। माननीय कलेक्टर महोदय हरदा, सयुंक्त कलेक्टर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, वनमंडलाधिकारी, समस्त एस.डी. एम, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, ईई पीएचई, उपसंचालक कृषि सहित समस्त विभाग के आला अधिकारी /प्रभारी गण, समस्त जमीनी स्तर के अधिकारी एवं कर्मचारीगण, संबंधित क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, संबंधित गॉवो के ग्राम पंचायत सदस्यगण, पत्रकारो सहित ग्रम वासियो ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अभियान की गतिविधियॉः

इस अभियान अंतर्गत प्रत्येक गॉव में षुन्य सें लेकर पॉच वर्ष तक के समस्त बच्चो का वजन लिया गया, , कुपोषित बच्चो के माता पिताओ की बैठके की गयी साथ ही साथ गृह भेंट की गयी, समस्त विभागो के द्वारा विभिन्न योजनाओ की प्रदर्षनी लगाई गयी, ग्रम स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति की बैठके की गयी, पंचायत के सदस्यो की बैठके गयी, बच्चो के साथ स्वास्थ्य के मुद्दे पर प्रष्नोत्तरी कार्यक्रम किया गया, गॉव वालो के मध्य विभिन्न षासकीय योजनाओ पर प्रष्नोत्तरी कार्यक्रम किया गया, स्वास्थ्य एवं स्वाच्छता के मुद्दे पर नुक्क्ड नाटक, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, पी.एच.ई. कृषि,पषु विभाग आदि समस्त विभागों की योजनाओ की जानकारी संबंधित विभागो के अधिकारीयो द्वारा दी गयी, पषु चिकित्सा षिविर का आयोजन, एवं एक गॉव में स्वास्थ्य षिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम से लगभग 6000 लोग लाभन्वित हुए।

अभियान के षुभारम्भ हेतु हरी झण्डी दिखाते हुए जिला कलेक्टर श्री जॉन क्रिंगसली

- **जिला बाल अधिकार मंच का निर्माण एवं संचालन**

बाल अधिकरो के संरक्षण हेतु यूनिसेफ के सहयोग से मध्यप्रदेष स्तर पर बाल अधिकर मंच का गठन किया गया है। जिला हरदा मे बाल अधिकरो के संरक्षण पर संस्था कार्यरत है। बाल अधिकार मंच के अंतर्गत बाल संरक्षण एवं क्रियान्वयन करने वाली संस्थाओं एवं व्यक्तियो का समूह तैयार करना है। संस्था के द्वारा जिला हरदा मे बाल अधिकारो की पैरवी हेतु बाल अधिकार मंच का गठन किया है। मंच की सहायता से ही बाल अधिकारो पर चर्चा की जाती है। स्कूल न जाने वाले बच्चों के लिए अनौपचारिक केन्द्र की स्थापना भी इसी मंच के सहयोग से की गई है।

- **महिला सषक्तिकरण एवं पंचायतराज के मुद्दो पर**

पंचायत मे महिलओं की भागीदारी सुनिष्चित तो हो गई है किन्तु उनके नेतृत्व एवं निर्णय प्रक्रिया मे भागीदारी हस्ताक्षर तक ही सिमित रह जाती है। महिलाओं के नेतृत्व कौषल विकास हेतु संस्था के द्वारा पुर्व मे अभियान चलाया गया था । इसके पश्चात पॉच महिला सरपंच की पंचायते चुन कर वहॉ कि महिला पंच सरपंचो के साथ नेतृत्व प्रषिक्षण कार्यक्रम किया गया है। अबतक 30 महिलाओं को प्रषिक्षण दिया गया है। संस्था पंच सरपंच महिलाओं को पंचायत के निर्णयो की प्रक्रिया मे भागीदारी को सुनिष्चित करने का प्रयास कर रहीं है। साथ वर्तमान व्यवस्था के बारे मे जागरूक कर महिला पंच सरपंचो को अपने अधिकारो को प्राप्त करने हेतु सषक्त करने का प्रयास कर रहीं है।

मिडिया के साथ

मिडिया वर्तमान व्यवस्था का अभिन्न अंग है। जिला स्तर एवं विकासखण्ड के पत्रकारो को मुद्दा आधारीत खब़रो के लिए उत्साहित करने का प्रयास किया जाता है। जिसमे मुख्यतः बाल अधिकार, महिला अधिकार एवं महिला नेतृत्व पर लेखन हेतु जागृत किया गया है। मिडिया के साथ कार्यषाला एवं व्यक्तिगत संपर्क के द्वारा कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरण के क्षैत्र में

- **विष्व प्रकृति दिवस का आयोजनः—** संस्था द्वारा पर्यावरण जागरूकता के लिए सत्त कार्य किया जा रहा है इसमें संस्था ने प्रमुख इकाई विद्यालयीन छात्रो को माना है। इस वर्ष विष्व प्रकृति दिवस का आयोजन ज्ञान गंगा हायर सेकेण्डरी विद्यालय में किया गया। विद्यालय के लगभग 200 छात्रों ने इसमे भागीदारी की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री आर एन षर्मा भी उपस्थित थे।
- **विष्व पर्यावरण दिवस का आयोजनः—**संस्था के द्वारा जिले में कृषको को जैविक खेती के लिए प्रेरित किये जाने का कार्य किया जा रहा है। इस हेतु संस्थान युवा कृषको को स्वयं के खाने के लिए जैविक गेहुॅ के उत्पादन पर जोर दे रही है। इस वर्ष संस्थाान के द्वारा जिले से ऐसे कृषको का चिन्हांकन किया गया जो कि पूर्ण या आंषिक रूप से जैविक खेती कर रहे है। साथ ही ऐसे कृषको को भी चिन्हित किया गया जो कि पिछले कई वर्षो से नरवाई नहीं जला रहें है। संस्थान ने इन कृषको को सम्मानित करने एवं अन्य कृषको की भ्रांतियों को दूर करने हेतु विष्व पर्यावरण दिवस पर एक कार्यषाला का आयोजन किया। इस कार्यषाला में ऐसे चिन्हित एवं अन्य लगभग 100 कृषक उपस्थित हुए।

कार्यषाला में कलेक्टर श्री जॉन किग्सली ए आर ने कृषको को एक–एक बॉस का पौधा पौधा देकर सम्मानित किया।

- **पर्यावरण के विषय पर बच्चो के मध्य प्रतियोगिताएंः**–संस्थान ने बच्चों के मध्य पर्यावरणीय जागरूकता हेतु हमारे जल स्त्रोत्र एवं हम विषय पर निबंध, चित्रकला एवं कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में जिले की 12 षिक्षण संस्थाओं के 298 छात्रों ने भाग लिया।

स्वास्थ के मुद्दे पर

एचआईवी एड्स–

- **पाजिटिव व्यक्तियों के साथ बैठकें:** संस्थान ने जिले में एचआईवी पॉजिटिव व्यक्तियों के कार्य की पहल की है। पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ सबसे बड़ी समस्यॉ समाज से बहिस्कृत होना एवं परिवार का बिखराव हैं। संस्थान के द्वारा जिले में एचआईवी पॉजिटिव जन का एक नेटवर्क बनाने की पहल की है। अब तक पॉजिटिव व्यक्तियों के साथ 3 बैठको का आयोजन किया जा चुका है।
- **रेड रिबनः**–जिले में रेड रिबन एक्सप्रेस के आगमन पर संस्थान के द्वारा प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता के द्वारा जन जागरूकता का कार्य किया गया। खुले मंच से प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता में सीधे जनता से संवाद कायम किया गया और प्रष्न पुछे गये। सही उत्तर देने वालो को पुरूस्कृत भी किया गया। इस तरह एचआईवी विषय पर तैयार लगभग 110 प्रष्नो के माध्यम से सभी बातों को जनसमुदाय के सामने रखने का प्रयास किया। साथ ही लिखित प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से 6000 लोगो तक पहुॅच की। कार्यक्रम मे संस्थान के स्वयं सेवको एवं युवाओं ने अपनी भागीदारी निभाई।

प्रशिक्षणो मे भागीदारी

- **आशा माड्यूल 5 मास्टर ट्रेनर प्रषिक्षण, भोपाल !**
  संस्थान के युवा साथी अजय, विष्णु एवं विष्वजीत ने राष्टीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिषन के अंतर्गत आषाओं को प्रषिक्षण देने के लिए। स्टेट स्तर पर जिला टेनर के रूप में प्रषिक्षण प्राप्त किया।
- **आषा माड्यूल 6 एवं 7 के मास्टर ट्रेनर प्रषिक्षण, भोपाल!**

संस्थान के अजय एवं विमल ने आषा कार्यकर्ताओं को प्रषिक्षण देने के लिए माड्यूल 6 एवं 7 का राज्य स्तरीय प्रषिक्षण प्राप्त किया ।

- **स्वास्थ्य अधिकार पर मित्र प्रषिक्षण, पुणे।**
  संस्थान के युवा साथी इरषाद एवं अनिल ने पूणे स्थिति मासूम संस्था के अंतराज्य मित्र प्रषिक्षण मे भाग लिया।
- **आपदा प्रबंधन प्रषिक्षण, भोपाल आपदा प्रबंधन संस्थान, भोपाल के द्वारा!**
- **आजिविका प्रषिक्षण, बर्ड, लखनऊ**